SNEH TEACHERS TRAINING COLLEGE, JAIPUR
"Foster Emotional Intelligence in Youth Through Education" (ICFEIYE-2024)
DATE: 15 April 2024
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि एवं शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना

डॉ. योगिता सोमानी, सहायक प्राध्यापिका, सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय , मंदसौर

सारांश

प्रस्तुत शोध में बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्वि एवं शिक्षण प्रभावशीलता में तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। शोध के लिये प्रस्तुत अध्ययन में मंदसौर शहर के 2 शिक्षा महाविद्यालयों का चयन स्तरीकृत याट्टच्छिक लाटरी विधि द्वारा किया गया। प्रत्येक महाविद्यालय से 25 महिला प्रशिक्षणार्थी एवं 25 पुरूष प्रशिक्षणार्थी का चयन किया गया। इस प्रकार कुल 50 महिला प्रशिक्षणार्थी एवं 50 पुरूष प्रशिक्षणार्थी कुल 100 पुरूष प्रशिक्षणार्थियों का चयन न्यादर्श के लिये किया गया। प्रदत्तों के संकलन के लिये शोधार्थी द्वारा डॉ. एस. के मंगल द्वारा निर्मित मंगल इमोशनल इन्टेलीजेन्स इन्वेन्ट्री (MEII) का एवं शिक्षण प्रभावशीलता के लिये स्वनिर्मित मापनी का प्रयोग किया गया। इस शोध कार्य में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। आँकड़ों के विश्लेषण एवं व्याख्या हेतु कालपियर्सन सहसंबंध गुणांक सांख्यिकी विधि का प्रयोग किया गया। शोध परिणामों से प्राप्त हुआ कि बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी संवेगात्मक बुद्वि में धनात्मक उच्च सहसंबंध पाया गया। बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी शिक्षण प्रभावशीलता में धनात्मक उच्च सहसंबंध पाया गया। बी. एड. प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी सांवेगिक बुद्वि एवं शिक्षण प्रभावशीलता में धनात्मक उच्च सहसंबंध पाया गया।

मुख्य शब्द – बी.एड. प्रशिक्षणार्थी, सांवेगिक बुद्धि एवं शिक्षण प्रभावशीलता

प्रस्तावना

शिक्षा का प्रमुख कार्य व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करना होता है। सर्वांगीण विकास का अर्थ व्यक्ति के भौतिक, बौद्धिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, नैतिक एवं अध्यात्मिक विकास से होता है। शिक्षक को शिक्षा प्रणाली की रीढ़ की हड्डी माना जाता है। शिक्षक व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मानव में कौशलों के विकास एवं ज्ञान अर्जन में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। अतः शिक्षक के द्वारा ही उनकी कार्य शैली एवं थ्शक्षण प्रभावशीलता के द्वारा शिक्षा प्रणाली में प्रभावी ढ़ंग से सुधार एवं उन्नयन किया जा सकता है।

शिक्षक, बालक के व्यवहार में अपेक्षित परिवर्तन लाकर उन्हें समाज, राष्ट्र और विश्व के नागरिकों के रूप में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिये तैयार करता है। एक कुशल अध्यापक के लिए विषय ज्ञान के साथ–साथ उसमें अपने विषय के प्रस्तुतिकरण व अपनी बात को समझाने की कला में निपुणता होनी चाहिए। जो शिक्षक इस कला में दक्ष होगा, वही विद्यार्थी को स्वस्थ स्थायी अधिगम के लिये प्रेरित कर सकता है। शिक्षक की दक्षता विभिन्न शिक्षण कौशलों पर निर्भर करती है। चूँकि एक अध्यापक छात्र के व्यवहार को आकार देता है। अतः देश को भावात्मक रूप से मजबूत व संतुलित अध्यापकों की आवश्यकता है। अध्यापक अपने छात्रों की भावात्मक बुद्धि अर्थात् संवेगों की अनुभूति करने, प्रयोग करने, पहचानने, सीखने एवं समझने की आंतरिक शक्ति को विकसित कर उज्ज्वल सुदृढ़ भविष्य हेतु योग्य बना सकता है।

सांवेगिक बुद्धि

सांवेगिक बुद्धि शब्द को दो संप्रत्ययों– संवेगों और बुद्धि में विभाजित किया जा सकता है। यदि किसी से सामान्य शब्दों में संवेगों के बारे में पूछा जाए, तो पहली प्रतिक्रियाओं में संवेगों के प्रति उसका दृष्टिकोण स्वभावतः प्रतिबंधक होने की संभावना है। संवेगों को आमतौर पर कमजोरी, उद्विग्नता और समुचित निर्णय और निर्णय प्रक्रिया की बाधा के रूप में देखा जाता है जो हमें अक्षम बनाते हैं। सांवेगिक बुद्धि शब्द को यदि इस दृष्टि से देखा जाए तो इसमें निहित दोनों शब्दों को एक–दूसरे के विपरीतार्थक के रूप में देखा जा सकता है। हालांकि, आधुनिक तंत्रिका विज्ञान ने इन मिथकों को खत्म करने का काम किया है और ऐसे कई महत्वपूर्ण प्रकार्यों को रेखांकित किया है जो संवेगों द्वारा संपन्न होते हैं। अब हम जानते हैं कि संवेग हमारी दुनिया के बारे में महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया और जानकारी प्रदान करते हैं, रचनात्मकता स्फूर्त करते हैं, निर्णय प्रक्रिया में मदद करते हैं, तर्क–वितर्क क्षमता बढाते हैं और विश्वास

एवं संयोजन मजबूत करते हैं यह सभी महत्वपूर्ण हैं यदि हमारा उद्देश्य सिर्फ काम करना नहीं बल्कि एक व्यक्ति के रूप में फलना–फूलना हो।

शिक्षण प्रभावशीलता

शिक्षण प्रभावशीलता, वह शिक्षण अधिगम प्रक्रिया है जिसमें शिक्षक व शिक्षार्थी दोनों ही क्रियाशील हों और यह कार्य तब तक चलता रहता है जब तक की शिक्षार्थी भली–भाँति सीख न ले। विद्यार्थी की शैक्षिक सफलता में वृद्धि प्रभावशाली शिक्षण द्वारा ही संभव है। शिक्षक के सामान्य तथा कक्षागत क्रियाकलाप शिक्षक व्यवहार की ओर संकेत करते हैं और इन क्रियाकलापों पर शिक्षण प्रभावशीलता आधारित होती है अर्थात् शिक्षक की सफलता उसके शिक्षण कार्य की प्रभावोत्पादकता एवं व्यवहार से आँकी जाती है। शिक्षक की प्रभावशीलता में उसकी शिक्षा तथा सामान्य तात्कालिक ज्ञान प्रेषित करने की योग्यता, शिक्षण कौशल, व्यवसाय से संबंधित ज्ञान, पाठ्य सहगामी क्रियाओं का ज्ञान कक्षाकक्ष प्रबंधन की योग्यता, समाज तथा विद्यालय के अन्य सदस्यों के साथ संबंध, संवेगात्मक रूप से स्थिर, सलाह व निर्देशन की योग्यता, नैतिक रूप से कुशल एवं प्रभावशाली व्यक्तित्व सम्मिलित होता है। वास्तव में शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने की योग्यता ही शिक्षण प्रभावशीलता है। शिक्षण प्रभावशीलता उस शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का नाम है जिसमें शिक्षक अपनी अभिरूचिपूर्ण क्षमता के साथ कार्य करता है।

शिक्षण प्रभावशीलता से तात्पर्य है कि शिक्षक अपना कार्य कितने प्रभावशाली ढ़ंग से तथा सफलतापूर्वक कर रहा है तथा शिक्षण कार्य से विद्यार्थी किस सीमा तक संतुष्ट है। शिक्षण प्रभावशीलता उस अधिगम प्रक्रिया का नाम है जिसमें शिक्षक अपनी अभिरूचि के साथ छात्रों के साथ बेहतर अन्तःक्रिया स्थापित कर वांछित उद्देश्यों को प्राप्त करता है अर्थात् शिक्षण में प्रयुक्त होने वाली योजनाओं, साधनों, कक्षा प्रक्रियाओं एवं अंतःवैयक्तिक कौशलों का दक्षतापूर्वक प्रदर्शन ही शिक्षण प्रभावशीलता है।

पूर्व शोध का अध्ययन :–

तिवारी, राजेश चन्द्र (2019) ने महाविद्यालय शिक्षकों के शिक्षण प्रभावशीलता का उसके अनुभव अभिक्षमता एवं कार्य संतुष्टि के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन किया और निष्कर्ष प्राप्त किया कि विज्ञान व कला वर्ग के शिक्षकों की अभिक्षमता में सार्थक अंतर पाया गया है। विज्ञान वर्ग की शिक्षण अभिक्षमता अधिक होती है। ग्रामीण व शहरी शिक्षकों की शिक्षण अभिक्षमता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता तथा लिंग व क्षेत्र का प्रभाव नहीं होता।

मीणा, ललिता कुमारी (2021) ने माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता पर सांवेगिक बुद्धि के प्रभाव का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि महिला शिक्षकों का मध्यमान पुरूष शिक्षकों की तुलना में अधिक है। अतः महिला शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता पर पुरूष शिक्षकों की अपेक्षा सांवेगिक बुद्धि का प्रभाव पड़ता है। माध्यमिक स्तर के सरकारी महिला व पुरूष शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता पर सांवेगिक बुद्धि के प्रभाव में किसी प्रकार का सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। सरकारी शिक्षकों का मध्यमान गैर–सरकारी की तुलना में आंशिक रूप से अधिक पाया गया।

धर एवं शर्मा (2021) ने जम्मू के जवाहर नवोदय विद्यालय के पुरूष व महिला शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला कि महिला व पुरूष शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता में सार्थक अंतर होता है। 15 वर्ष से अधिक अनुभव के महिला शिक्षक 15 वर्ष से कम अनुभव के पुरूषों की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली होती है ं।

दास व बोहरा (2022) ने शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि के संबंध में शिक्षक प्रभाविकता का अध्ययन किया तथा निष्कर्ष निकाला कि शिक्षक प्रभाविकता एवं उनकी भावनात्मक बुद्धि के मध्य सार्थक स ंबंध पाया जाता है। निम्न सांवेगिक बुद्धि वाले शिक्षकों की तुलना में उच्च सांवेगिक बुद्धि वाले शिक्षकों की शिक्षक प्रभाविकता अधिक पायी गई।

अध्ययन का औचित्य

प्रस्तुत अनुसंधान कार्य वर्तमान समय की एक महत्त्वपूर्ण समस्या को लेकर किया गया है जिसमें उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों को प्रतिदर्श के रूप में लिया है। वर्तमान समय में सामान्यतः देखा जाता है कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि उनकी शिक्षण प्रभावशीलता को प्रभावित करती ह ै।

उपर्युक्त तथ्य पर विचार–विमर्श करे तो इस अध्ययन के द्वारा शोधार्थी ने यह जानने का प्रयास करेगी कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि का उनकी शिक्षण प्रभावशीलता पर क्या

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

प्रभाव पड़ता है ? ये किस स्तर पर प्रभावित करती है ? उनकी सांवेगिक बुद्धि और शिक्षण प्रभावशीलता से विद्यार्थी किस प्रकार प्रभावित होते है? प्रस्तुत शोध यह जानने में सहायक सिद्ध होगा कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि उनकी शिक्षण प्रभावशीलता एक दूसरे को तथा विद्यार्थियों को प्रभावित करते है या नहीं। इसीलिए शोधार्थी ने इस विषय ''बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की संवेगात्मक बुद्वि एवं शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना'' पर अध्ययन की आवश्यकता महसूस की।

समस्या कथन

''बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि एवं शिक्षण प्रभावशीलता के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना''

उद्देश्य

अध्ययन के निम्न उद्देश्य थे–

1. बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी सांवेगिक बुद्वि में सहसंबंध का अध्ययन करना।
2. बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का अध्ययन करना।
3. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में उनकी सांवेगिक बुद्वि एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ

अध्ययन की निम्न परिकल्पनाएँ थी–

1. बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी सांवेगिक बुद्वि में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं होगा।
2. बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी शिक्षण प्रभावशीलता में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं होगा।
3. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में उनकी सांवेगिक बुद्वि एवं शिक्षण प्रभावशीलता में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं होगा।

न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन में मंदसौर शहर के 2 शिक्षा महाविद्यालयों का चयन स्तरीकृत याद्दच्छिक लाटरी विधि द्वारा किया गया। प्रत्येक महाविद्यालय से 25 महिला प्रशिक्षणार्थी एवं 25 पुरूष प्रशिक्षणार्थी का चयन किया गया। इस प्रकार कुल 50 महिला प्रशिक्षणार्थी एवं 50 पुरूष प्रशिक्षणार्थी कुल 100 पुरूष प्रशिक्षणार्थियों का चयन न्यादर्श के लिये किया गया।

उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तों के संकलन के लिये शोधार्थी द्वारा निम्न प्रश्नावली का प्रयोग किया गया, जो निम्न है :–

अ) सांवेगिक बुद्वि मापनी :– डॉ. एस. के मंगल द्वारा निर्मित मंगल इमोशनल इन्टेलीजेन्स इन्वेन्ट्री (MEII) का प्रयोग किया गया है।

ब) शिक्षण प्रभावशीलता मापनी :– शोधार्थी द्वारा स्व निर्मित शिक्षण प्रभावशीलता मापनी का प्रयोग किया गया।

शोध विधि

इस शोध कार्य में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

प्रदत्तो का संकलन –

शोधार्थी द्वारा प्रदत्तों के संकलन हेतु शिक्षा महाविद्यालयों के प्राचार्यो से अनुमति प्राप्त कर महिला एवं पुरूष प्रशिक्षणार्थियों से सांवेगिक बुद्वि एवं शिक्षण प्रभावशीलता से संबंधित मापनियों को सोहार्द्रपूर्ण वातावरण में भरवायी गई।

आँकड़ों के विश्लेषण एवं व्याख्या

आँकड़ों के विश्लेषण एवं व्याख्या हेतु कालपियर्सन सहसंबंध गुणांक सांख्यिकी विधि का प्रयोग किया गया है।

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

परिणाम एवं विवेचनाः

उद्देश्य 1 – बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी सांवेगिक बुद्वि में सहसंबंध का अध्ययन करना

तालिका 1 :– बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी सांवेगिक बुद्वि में सहसंबंध का कालपियर्सन गुणांक द्वारा विश्लेषण एवं सारांश

सांवेगिक बुद्वि	पुरूष प्रशिक्षणार्थी	महिला प्रशिक्षणार्थी
पुरूष प्रशिक्षणार्थी Correlation (r) Sig. (2-tailed) N	1 50	0.807* 0.000 50
महिला प्रशिक्षणार्थी Correlation(r) Sig. (2-tailed) N	0.807* 0.000 50	1 50

*सार्थकता का स्तर .01

उपर्युक्त तालिका के अवलोकन से स्पष्ट है कि बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी सांवेगिक बुद्वि में df = 98 पर r का मान 0.807 है एवं p = 0.000 है, और p का मान α = 0.01(p<α) के मान से कम है। इसलिये यह सार्थकता के स्तर 0.01 पर सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना **"बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी सांवेगिक बुद्वि में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं होगा।"** निरस्त की जाती है। बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी सांवेगिक बुद्वि में धनात्मक उच्च सहसंबंध पाया गया।

निष्कर्ष स्वरूप यह कहा जा सकता है कि बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी सांवेगिक बुद्वि में धनात्मक उच्च सहसंबंध पाया गया।

उद्देश्य 2 – बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का अध्ययन करना

तालिका 2 :– बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का कालपियर्सन गुणांक द्वारा विश्लेषण एवं सारांश

शिक्षण प्रभावशीलता	पुरूष प्रशिक्षणार्थी	महिला प्रशिक्षणार्थी
पुरूष प्रशिक्षणार्थी Correlation (r) Sig. (2-tailed) N	1 50	0.923* 0.000 50
महिला प्रशिक्षणार्थी Correlation(r) Sig. (2-tailed) N	0.923* 0.000 50	1 50

*सार्थकता का स्तर .01

उपर्युक्त तालिका के अवलोकन से स्पष्ट है कि बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी शिक्षण प्रभावशीलता में df = 98 पर r का मान 0.923 है एवं p = 0.000 है, और p का मान α = 0.01(p<α) के मान से कम है। इसलिये यह सार्थकता के स्तर 0.01 पर सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना **"बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी शिक्षण प्रभावशीलता में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं होगा।" निरस्त की जाती है।** बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी शिक्षण प्रभावशीलता में धनात्मक उच्च सहसंबंध पाया गया।

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

निष्कर्ष स्वरूप यह कहा जा सकता है कि बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी शिक्षण प्रभावशीलता में धनात्मक उच्च सहसंबंध पाया गया।

उद्देश्य 3 – बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में उनकी सांवेगिक बुद्वि एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का अध्ययन करना

तालिका 2 :– बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में उनकी सांवेगिक बुद्धि एवं शिक्षण प्रभावशीलता में सहसंबंध का कालपियर्सन गुणांक द्वारा विश्लेषण एवं सारांश

बी.एड. प्रशिक्षणार्थी	सांवेगिक बुद्धि	शिक्षण प्रभावशीलता
सांवेगिक बुद्धि Correlation (r) Sig. (2-tailed) N	 1 100	 0.977* 0.000 100
शिक्षण प्रभावशीलता Correlation(r) Sig. (2-tailed) N	 0.977* 0.000 100	 1 100

*सार्थकता का स्तर .01

उपर्युक्त तालिका के अवलोकन से स्पष्ट है कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी सांवेगिक बुद्वि एवं शिक्षण प्रभावशीलता में df = 198 पर r का मान 0.923 है एवं p = 0.000 है, और p का मान α = 0.01($p<\alpha$) के मान से कम है। इसलिये यह सार्थकता के स्तर 0.01 पर सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना **"बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी सांवेगिक बुद्वि एवं शिक्षण प्रभावशीलता में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं होगा।" निरस्त की जाती है।** बी.एड.प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी सांवेगिक बुद्वि एवं शिक्षण प्रभावशीलता में धनात्मक उच्च सहसंबंध पाया गया।

निष्कर्ष स्वरूप यह कहा जा सकता है कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी सांवेगिक बुद्वि एवं शिक्षण प्रभावशीलता में धनात्मक उच्च सहसंबंध पाया गया।

निष्कर्ष

1. बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी संवेगात्मक बुद्वि में धनात्मक उच्च सहसंबंध पाया गया।
2. बी.एड. पुरूष एवं महिलाओं प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी शिक्षण प्रभावशीलता में धनात्मक उच्च सहसंबंध पाया गया।
3. बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मध्य उनकी सांवेगिक बुद्वि एवं शिक्षण प्रभावशीलता में धनात्मक उच्च सहसंबंध पाया गया।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- सक्सेना, एन.आर.; मिश्रा, (2006) ''अध्यापक शिक्षा'', आर. लाल बुक डिपो, मेरठ, पृ.सं. 25.
- भट्टाचार्य, जी. (2007), ''अध्यापक शिक्षा'', विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, पृ.सं30.
- शर्मा, आर.ए. (2006), ''अध्यापक शिक्षा प्रणाली'', आर.लाल. बुक डिपो, मेरठ, पृ.सं 45.
- तिवारी, राजेन्द्र चन्द्र (2019), ''ए स्टडी ऑफ टीचिंग इफेक्टीवनेस ऑफ कॉलेज टीचर्स इन रेफ्रेन्स ऑफ देयर एक्सपीरिएंस, एप्टीट्यूड एण्ड जॉब सेटीस्फेक्शन'' अनपब्लिश्ड थीसिस ऑफ एजूकेशन, पूर्वांचल यूनिवर्सिटी।
- मीणा, ललिता (2021), ''माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता पर बुद्धि के प्रभाव का अध्ययन'', इण्डियन एज्यूकेशनल एब्स्ट्रेक्ट, वोल्यूम–5, जनवरी–जुलाई 2013, एन.सी.ई.आर.टी., न्यू देहली, पृ.स . 25.
- धर, एन. एवं शर्मा, ए. (2021), ''ए स्टडी ऑफ टीचर इफेक्टिवनेस अमंग मेल एण्ड फीमेल टीचर्स टीचिंग इन जवाहर नवोदय विद्यालय ऑफ जम्मू प्रोविन्स'', रशियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी एण्ड एज्यूकेशन, वोल्यूम 49(1–2), पृ.सं. 8–21.
- दास, डी. दास, एवं बोहरा, एन.वी. (2022), ''टीचर इफेक्टीवनेस इन रिलेशन टू देयर इमोशनल इंटेलीजेन्स'', जर्नल ऑफ इण्डियन एज्यूकेशन, वोल्यूम–2, पृ.सं. 51–52.